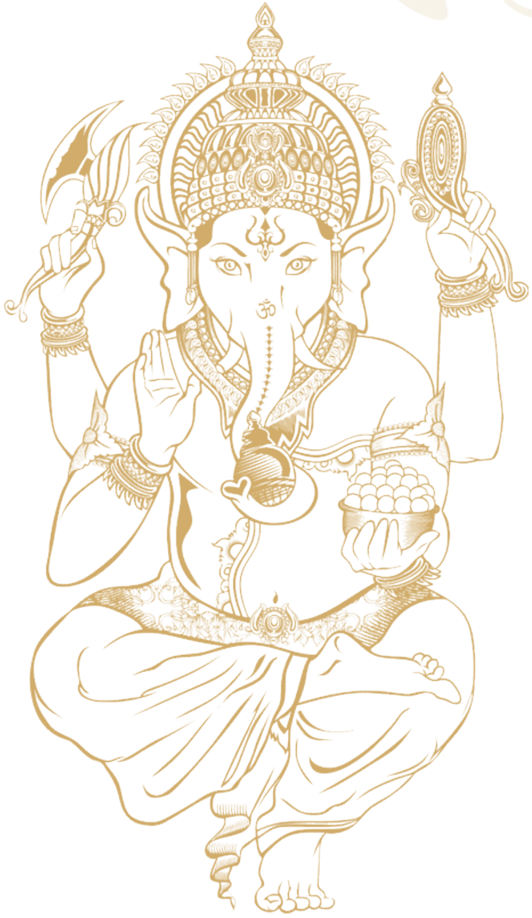

Rajendra Prasad

30 Jan 1942

11:36 AM

Muzaffarganj H.Kharagpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121268802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/01/1942**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:36:00 घंटे**
इष्ट	12:50:07 घटी
स्थान	**Muzaffarganj H.Kha**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:09:00 उत्तर
रेखांश	86:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:52:20 घंटे
वेलान्तर	-00:13:20 घंटे
साम्पातिक काल	20:27:44 घंटे
सूर्योदय	06:27:57 घंटे
सूर्यास्त	17:26:01 घंटे
दिनमान	10:58:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:40:56 मकर
लग्न के अंश	24:39:39 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	24:39:39	419:44:59	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मक	16:40:56	01:00:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	22:12:19	12:17:43	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मेष	16:27:20	00:32:27	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध			कुंभ	03:40:17	00:19:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		वृष	18:24:11	00:01:15	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	व		मक	22:20:45	00:35:55	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मेष	28:37:56	00:00:47	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	नीच राशि
राहु	व		सिंह	20:45:39	00:06:16	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	20:45:39	00:06:16	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:18:37	00:00:14	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		कन्या	06:36:07	00:00:55	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		कर्क	11:28:44	00:01:22	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मक	11:32:22	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:02:50

लग्न-चलित

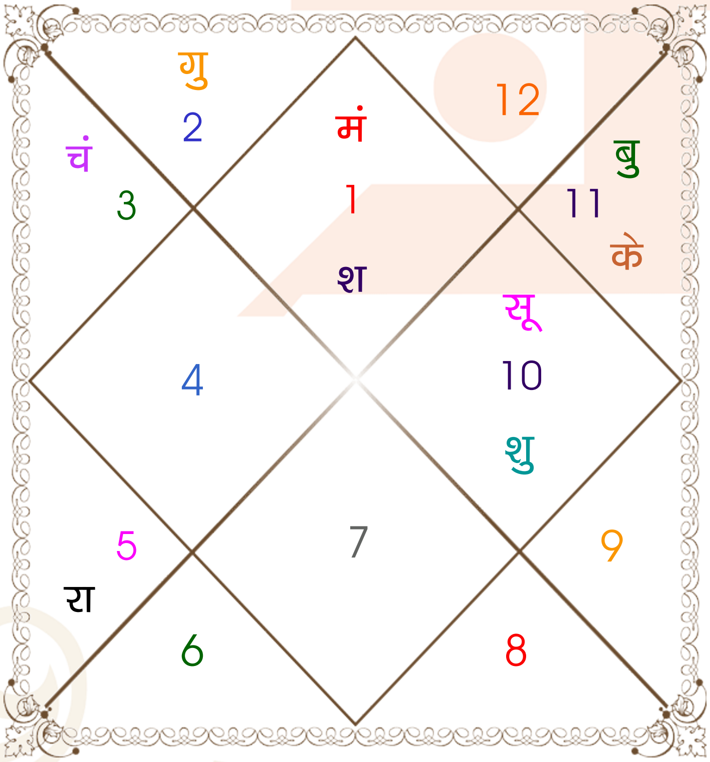

चन्द्र कुंडली

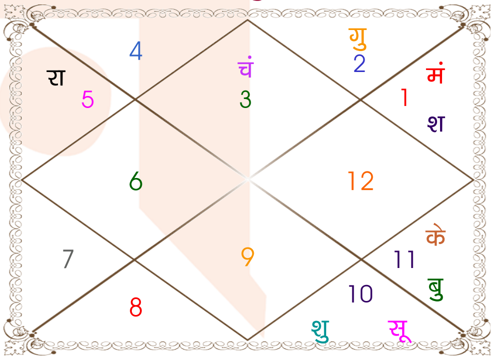

नवमांश कुंडली

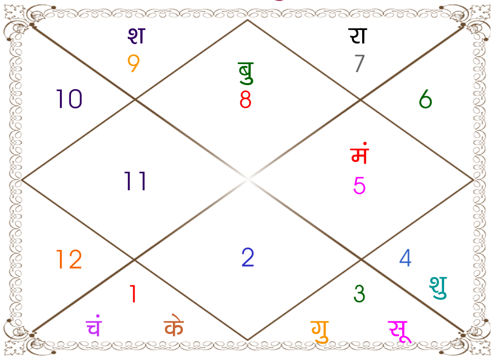

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 4 मास 7 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/01/1942		08/06/1955		08/06/1974		08/06/1991		08/06/1998	
08/06/1955		08/06/1974		08/06/1991		08/06/1998		08/06/2018	
	30/01/1942	शनि	11/06/1958	बुध	04/11/1976	केतु	05/11/1991	शुक्र	08/10/2001
शनि	07/02/1944	बुध	18/02/1961	केतु	01/11/1977	शुक्र	04/01/1993	सूर्य	08/10/2002
बुध	15/05/1946	केतु	30/03/1962	शुक्र	01/09/1980	सूर्य	11/05/1993	चंद्र	08/06/2004
केतु	21/04/1947	शुक्र	30/05/1965	सूर्य	08/07/1981	चंद्र	11/12/1993	मंगल	08/08/2005
शुक्र	20/12/1949	सूर्य	12/05/1966	चंद्र	08/12/1982	मंगल	09/05/1994	राहु	07/08/2008
सूर्य	08/10/1950	चंद्र	11/12/1967	मंगल	05/12/1983	राहु	27/05/1995	गुरु	08/04/2011
चंद्र	07/02/1952	मंगल	19/01/1969	राहु	23/06/1986	गुरु	02/05/1996	शनि	08/06/2014
मंगल	13/01/1953	राहु	26/11/1971	गुरु	28/09/1988	शनि	11/06/1997	बुध	08/04/2017
राहु	08/06/1955	गुरु	08/06/1974	शनि	08/06/1991	बुध	08/06/1998	केतु	08/06/2018

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/06/2018		08/06/2024		08/06/2034		08/06/2041		08/06/2059	
08/06/2024		08/06/2034		08/06/2041		08/06/2059		00/00/0000	
सूर्य	26/09/2018	चंद्र	08/04/2025	मंगल	04/11/2034	राहु	19/02/2044	गुरु	27/07/2061
चंद्र	27/03/2019	मंगल	07/11/2025	राहु	23/11/2035	गुरु	15/07/2046	शनि	30/01/2062
मंगल	02/08/2019	राहु	09/05/2027	गुरु	29/10/2036	शनि	21/05/2049		00/00/0000
राहु	26/06/2020	गुरु	07/09/2028	शनि	07/12/2037	बुध	08/12/2051		00/00/0000
गुरु	14/04/2021	शनि	08/04/2030	बुध	05/12/2038	केतु	26/12/2052		00/00/0000
शनि	27/03/2022	बुध	08/09/2031	केतु	03/05/2039	शुक्र	26/12/2055		00/00/0000
बुध	01/02/2023	केतु	08/04/2032	शुक्र	02/07/2040	सूर्य	19/11/2056		00/00/0000
केतु	08/06/2023	शुक्र	07/12/2033	सूर्य	07/11/2040	चंद्र	21/05/2058		00/00/0000
शुक्र	08/06/2024	सूर्य	08/06/2034	चंद्र	08/06/2041	मंगल	08/06/2059		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 4 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। वृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।